मस्तिष्क ज्वर (Meningitis)

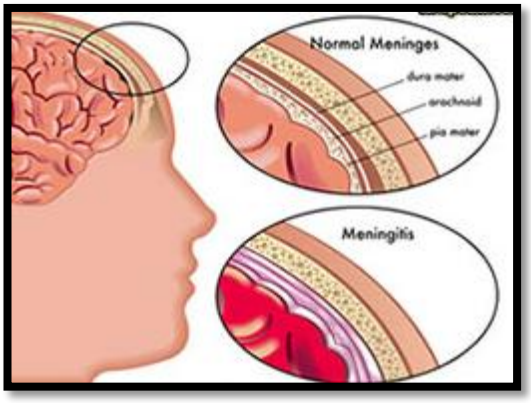

मस्तिष्क एवं मज्जातंतू का संरक्षण प्रदान करनेवाले आवरणप सूजन होने के रोग को ज्वर मेमेन्जाईटिस कहा जाता है।

आवरण पर होने वाली सूजन यह मज्जातंतू एवं मस्तिष्क के इर्दगिर्द स्थित द्रवपदार्थ के संसर्गजन्य होने के कारण होता है ।

मस्तिष्क ज्वर विशेषतः विषाणू किटाणू एवं जीवाणू के फैलनेवाले रोग होते है । किंतु कुछ शारीरीक घाव, कर्करोग अथवा दवाये भी कारणीभूत हा सकती है। उचित ईलाज के लिए मस्तिष्क रोग का कारण पता लगाना अतिआवश्यक है।

जीवाणू संसंर्गित मस्तिष्क ज्वर किसे कहते हे?

अर्थः भेजा मस्तिष्क एवं मज्जातंतू के इर्दगिर्द स्थित द्रव्य के माध्यम से जीवाणूओं का फैलना एवं मस्तिष्क के संरक्षण आवरण पर सूजन होना,जीवाणू संसर्गित मस्तिष्क ज्वर कहलाता है। यह प्राणघातक हो सकता है।

जीवाणुयुक्त मस्तिष्क ज्वर का खतरा कैसे बढ़ता हे?

- संसर्गित रोगी के खाँसने, छिकने एवं झूठा अन्नपदार्थ खाने से नाक, मुँह एवं गले के माध्यम शरीर मे प्रवेश होता है।
- सिरपर घाव होने की स्थिती मे छिडकाव जख्म के माध्यम से होने पर
- मस्तिष्क ज्वर का खतरा व्यक्ति की उम्र के 60 वर्षोंसे अधिक होने पर अथवा 15 ते 24 वर्ष के उम्र के बीच रहता हैं।
- मधुमेह , कर्करोग अंग प्रत्यारोपणमे भी यह धोखा बढ सकता है।

लक्षण-

- तीव्र सिरदर्द, गर्दन लगना, बुखार
- शरीर पर चटटे आना
- गर्दन दुखना
- उल्टी एवं जी मचलना
- तेज प्रकाश की ओर देखने से तीव्र दुखना
- बार बार नींद आना एवं असमंज की स्थिती

जाँच-

- रक्त जाँच- भेजा एवं मज्जातंतू स्थित द्रव्य की जाँच
- CT स्कॅन, MRI
- गले की लार मे जंतू की कृत्रिम वृध्दी

ईलाज-

- एन्टीबायोटिक्स
- स्टेरॉईडस
- एसिटोमाईनोफेन
- नॉन स्टेरॉईडल एन्टी इन्फ्लेमेन्टरी दवायें

प्रतिबंधात्मक देखभाल-

- नियमित हाथ स्वच्छ धोये
- लसीकरण करना

संदर्भ- मायक्रोमेडेक्स सोल्यूशन्स